बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१०८ वा | बुधवार ६ मे २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रुपये | पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

मैं इस्तीफा नहीं दूंगी-ममता का बड़ा ऐलान

भाजपा पर जीत 'चोरी' करने का आरोप

नई दिल्ली / रिपोर्ट :

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव २०२६ के परिणामों के बाद चरारींर इरपशीक्षशश ने बड़ा राजनीतिक बयान देते हुए स्पष्ट किया है कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। उन्होंने चुनाव परिणामों को सिरे से खारिज करते हुए आरोप लगाया कि यह वास्तविक जनादेश नहीं बल्कि धांधली और साज़िश का नतीजा है। उनका कहना है कि उनकी पार्टी all India Trinamool Congress चुनाव नहीं हारी, बल्कि कई सीटों पर जीत छीन ली गई और लोकतंत्र के साथ अन्याय हुआ है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चुनाव में Bharatiya Janata Party को स्पष्ट बहुमत मिला है और राज्य में पहली बार सत्ता में आने का रास्ता साफ हुआ है, जिसे लेकर राजनीतिक माहौल काफी गरम हो गया है।

ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदान के दौरान हिंसा, प्रशासनिक पक्षपात और गड़बड़ियां हुईं, जिससे सही परिणाम सामने नहीं आ सके। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी नैतिक रूप से मजबूत है और राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगी। हालांकि उनके इन आरोपों पर विपक्ष और भाजपा ने कड़ा जवाब देते हुए कहा है कि चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत संपन्न हुए हैं और जनता ने स्पष्ट जनादेश दिया है।

संवैधानिक विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी स्थिति में यदि मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं देती हैं, तो राज्यपाल की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जो बहुमत परीक्षण या नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। मौजूदा घटनाक्रम के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में अस्थिरता और टकराव की स्थिति बनने की संभावना जताई जा रही है, और आने वाले दिनों में यह मामला राजनीतिक के साथ-साथ कानूनी मोड़ भी ले सकता है। फिलहाल पूरे देश की नजर इस बात पर टिकी हुई है कि आगे राज्य में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया किस दिशा में आगे बढ़ती है।

नए पैन कार्ड नियम २०२६ लागू; आधार अकेला अब पर्याप्त नहीं

नई दिल्ली / प्रतिनिधि :

देश में पैन (PAN) कार्ड से जुड़े नियमों में वर्ष २०२६ से महत्वपूर्ण बदलाव लागू किए गए हैं, जिनका उद्देश्य पहचान सत्यापन को अधिक सख्त और पारदर्शी बनाना बताया जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत अब केवल आधार कार्ड के आधार पर पैन बनवाने की सुविधा समाप्त कर दी गई है और आवेदकों को अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है।

नए नियमों के अनुसार, पैन कार्ड आवेदन के लिए पहचान और जन्मतिथि के प्रमाण स्वरूप अन्य वैध दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस या शैक्षणिक प्रमाणपत्र देना आवश्यक होगा। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम फर्जी पहचान और वित्तीय अनियमितताओं पर नियंत्रण के लिए उठाया गया है।

इसके साथ ही पैन आवेदन प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया है। पुराने फॉर्म ४९- और ४९-- को हटाकर नए फॉर्म लागू किए गए हैं, जिससे प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाया जा सके। अब आवेदक की ▶▶पान ४ पे

अबु आसेम आजमी ने ईद-उल-अज़हा के दौरान पशु परिवहन में रुकावट और जब्ती पर रोक की मांग की

मुंबई / प्रतिनिधि :

महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के नेता और विधायक Abu asim azmi ने राज्य के मुख्यमंत्री Devendra Fadnavis से मुलाकात कर ईद-उल-अज़हा के दौरान जानवरों के ट्रांसपोर्टेशन में रुकावट डालने और उन्हें ज़ब्त करने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि ईद-उल-अज़हा के मौके पर कुर्बानी के लिए जानवरों की आवाजाही में अनावश्यक बाधाएं पैदा की जाती हैं, जिससे लोगों ▶▶पान ४ पे

अल्पसंख्यक संरक्षण के लिए संघर्ष समिति का संकल्प; तालुका स्तर पर संगठन विस्तार और व्यापक आंदोलन की तैयारी

बीड / प्रतिनिधि :

अल्पसंख्यक समाज की सुरक्षा हेतु प्रभावी कानून लागू करने की मांग को लेकर अल्पसंख्यक संरक्षण संघर्ष समिति ने अपने आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया है। इसी संदर्भ में शहर के जालना रोड पर ४ मई को शाम ६:00 बजे समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक उत्साहपूर्वक आयोजित की गई।

बैठक में समिति के कार्यों की समीक्षा की गई तथा शीघ्र ही तालुका स्तर पर समितियों का गठन कर आंदोलन को और व्यापक बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। अल्पसंख्यक संरक्षण कानून लागू कराने के लिए संगठित और प्रभावी संघर्ष छेड़ने का संकल्प भी व्यक्त किया गया।

पिछले कुछ वर्षों में अल्पसंख्यक समाज पर हमलों में वृद्धि देखी गई है। हेट स्पीच, दंगे और मॉब लिंचिंग जैसी गंभीर घटनाओं के कारण समाज में असुरक्षा का वातावरण बना है। इस पृष्ठभूमि में ऐसी घटनाओं पर कठोर नियंत्रण के लिए केंद्र और राज्य सरकार से तत्काल अल्पसंख्यक संरक्षण कानून लागू करने की मांग जोरदार तरीके से रखी गई।

इससे पहले, १ मई महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने समिति की ओर से प्रतीकात्मक अनशन भी किया गया था। आगे आंदोलन को और तेज करने के लिए संगठन को मजबूत करते हुए तालुका स्तर पर समितियां बनाने का निर्णय लिया गया।

समिति की ओर से जल्द ही बड़े पैमाने पर जनजागरूकता अभियान और ▶▶पान ४ पे

शादी के तीन महीने बाद ही दुल्हन फरार; पहले से आठ शादियां होने का खुलासा

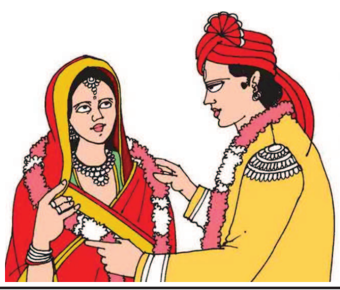

गेवराई (दि. ४) / प्रतिनिधि :

उमापुर क्षेत्र में एक विवाह से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है, जहां शादी के महज तीन महीने बाद ही दुल्हन फरार हो गई। साथ ही यह भी खुलासा हुआ है कि दुल्हन की पहले से ही आठ शादियां हो चुकी थीं, जिसके बाद दूल्हे ने पुलिस में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, योगेश सिताराम शिंदे (उम्र ४० वर्ष, निवासी उमापुर, तहसील गेवराई, जिला बीड) और भारती जितेंद्र गुमास्ते (उम्र ३० वर्ष, निवासी कोपरगांव, जिला अहमदनगर) का विवाह १४ नवंबर २०२५ को उमापुर स्थित उमा देवी मंदिर में विधिवत संपन्न हुआ था। इस विवाह की व्यवस्था कराने के लिए एजेंट गणेश अशोक आंभुरे और उनकी पत्नी राधा आंभुरे (दोनों निवासी उमापुर) ने तीन लाख रुपये की मांग की थी, जिसमें से दो लाख रुपये दूल्हे पक्ष द्वारा दिए गए थे, जबकि शेष खर्च सहित कुल लगभग दो से तीन लाख रुपये विवाह में खर्च हुए।

शादी के बाद लगभग तीन महीने तक दांपत्य जीवन सामान्य रूप से चलता रहा। इसी दौरान दुल्हन भारती गुमास्ते ने अपने पति को बताया कि उसकी पहले आठ शादियां ▶▶पान ४ पे

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और सांसद पार्थ पवारने दादा का वादा निभा कर, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) पर विश्वास रखने वालों में नई उम्मीद जगाई है

ज़ीशान बाबा सिद्दीकी को मौका, एनसीपी का बड़ा और रणनीतिक फैसला

ज़ीशान बाबा सिद्दीकी की छवि किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि वे एक आधुनिक, संतुलित और सहज व्यक्तित्व के रूप में पुरे महाराष्ट्र मे उन्हे देखा जाता है

रिपोर्ट: प्रतिनिधि, मुंबई

मुंबई: म हाराष्ट्र की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम के तहत राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी ने ज़ीशान बाबा सिद्दीकी को एक उभरते हुए नेता के रूप में आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिसे राजनीतिक हलकों में एक मजबूत और दूरदर्शी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। ज़ीशान सिद्दीकी अपने पिता बाबा सिद्दीकी की राजनीतिक और सामाजिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, जो मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में अपने मजबूत जनसंपर्क के लिए जाने जाते थे, और इसी आधार पर यह उम्मीद जताई जा रही है कि पार्टी अपने मौजूदा वोट बैंक को बनाए रखने के साथ-साथ उसे और मजबूत कर सकेगी, जबकि वर्षों में बना सामाजिक और राजनीतिक नेटवर्क भी सक्रिय बना रहेगा और नए सिरे से संगठन खड़ा करने की जरूरत कम होगी।

इसके अलावा, ज़ीशान सिद्दीकी की राज्यभर में सामाजिक गतिविधियों के कारण एक संगठित और वफादार कार्यकर्ता टीम पहले से मौजूद है, कई जिलों में सक्रिय कैडर उनके साथ जुड़े हुए हैं और चुनावी स्तर पर उनकी मजबूत पकड़ पार्टी के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

वहीं यूथ कांग्रेस में उनके अनुभव और जमीनी स्तर पर सक्रियता ने उन्हें एक तैयार नेतृत्व के रूप में स्थापित किया है, जिन्हें स्थानीय मुद्दों, प्रशासनिक चुनौतियों और संगठनात्मक ढांचे की अच्छी समझ है।

जिसकी वजह से शहरी युवाओं और नए मतदाताओं में उनकी अच्छी पकड़ देखी जा रही है, और यही पहलू एनसीपी के लिए शहरी क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने में मददगार साबित हो सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार मुंबई और अन्य शहरी क्षेत्रों में ज़ीशान सिद्दीकी की भूमिका पार्टी की स्थिति मजबूत करने, मध्यम वर्ग और उभरते मतदाताओं के बीच पहचान बढ़ाने और पारंपरिक तथा नए नेतृत्व के बीच संतुलन बनाने में अहम हो सकती है, साथ ही वे संगठनात्मक स्तर पर भी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच संवाद स्थापित करने और संवेदनशील राजनीतिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से संभालने की क्षमता रखते हैं, जिससे पार्टी के भीतर बेहतर समन्वय की उम्मीद है। कुल मिलाकर नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी द्वारा ज़ीशान बाबा सिद्दीकी को अवसर देना उस रणनीति को दर्शाता है जिसमें अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलन शामिल है, और यह फैसला महाराष्ट्र में पार्टी के सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव को बढ़ाने तथा संगठन को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हज अल्लाह की रज़ा और खुश्नूदी का ज़रिया; मुंबई में हज ओरिएंटेशन, मेडिकल व प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मुंबई, (प्रतिनिधि) :

हज यात्रियों की बेहतर मार्गदर्शन, स्वास्थ्य सुविधाओं और धार्मिक प्रशिक्षण को ध्यान में रखते हुए मुंबई में एक व्यापक हज ओरिएंटेशन, प्रशिक्षण और मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें उलेमा, शहर के गणमान्य लोग और विशेषज्ञों ने भाग लेकर हज के आध्यात्मिक, व्यावहारिक और चिकित्सीय पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर दिए गए प्रेरणादायक और ईमान को मजबूत करने वाले भाषणों ने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नरहळी टूळ ने कहा कि हज अल्लाह की रज़ा और खुश्नूदी हासिल करने का एक महान माध्यम है और यह हर किसी को नसीब नहीं होता, बल्कि यह केवल अल्लाह की विशेष कृपा से मिलता है। उन्होंने कहा कि लाखों लोग हज की इच्छा रखते हैं, लेकिन सीमित लोगों को ही यह अवसर मिलता है, इसलिए हाजियों को इस नेमत पर अल्लाह का शुक्र अदा करना चाहिए। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए मदीना में प्रवास, हाजियों की सेवा और हज के विभिन्न चरणों का उल्लेख किया तथा यात्रियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और आवश्यक दवाइयां साथ रखने की सलाह दी।

कार्यक्रम की शुरुआत में अलवी फाउंडेशन के प्रमुख इमरान अलवी ने शिविर के उद्देश्य बताते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण

कार्यक्रम हज के अनुष्ठानों को सही तरीके से समझने और निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Mufti Rafiq Purkar ने अपने संबोधन में कहा कि हज से जुड़े मसलों की सही और प्रमाणिक जानकारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि हज केवल किताबों से नहीं सीखा जा सकता, बल्कि अनुभवी उलेमा की मार्गदर्शन आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि अधूरी जानकारी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है और हाजियों को अनावश्यक बहस से बचना चाहिए।

Mufti -shfaq Qazi ने अपने प्रभावशाली भाषण में हज़रत इब्राहीम (अ.), हज़रत हाजरा (अ.) और हज़रत इस्माईल (अ.) के प्रेरणादायक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए सफा और मरवा की सई के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक क्रिया नहीं बल्कि अल्लाह पर पूर्ण विश्वास, संघर्ष और उम्मीद का प्रतीक है। उन्होंने हाजियों को हर अमल को उसकी आध्यात्मिक समझ के साथ करने और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की प्रेरणा दी।

अन्य उलेमा ने भी एहराम, तवाफ, सई, रमी और हज के अन्य अरकान के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन दिया और हाजियों को अनुशासन, धैर्य और आपसी सम्मान बनाए रखने की सलाह दी।

इस अवसर पर वक्ताओं ने मुंबई की ऐतिहासिक भूमिका का भी उल्लेख किया और बताया कि यह शहर लंबे समय से भारत के हज यात्रियों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां से हर वर्ष बड़ी संख्या में हाजी रवाना होते हैं और -पक्षींरप-श-खीश्ररा जैसी संस्थाएं तथा सामाजिक संगठन यात्रियों के मार्गदर्शन और सुविधा के लिए महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कार्यक्रम के अंत में हज यात्रियों को शुभकामनाएं दी गईं और उनसे अपील की गई कि वे अपनी दुआओं में देश, समाज, जरूरतमंदों और अनाथों को याद रखें। अंत में सामूहिक दुआ की गई कि अल्लाह सभी यात्रियों का हज कबूल करे और उन्हें इस पवित्र यात्रा को सकुशल पूरा करने की तौफीक अता फरमाए।

रेलवे हमला और भोर कांड: जलगांवसे उठी आवाज़, प्रशासन को कड़ा संदेश

विशेष प्रस्तुति;

अकिल खान ब्यावली, जलगांव

देश में बढ़ती हिंसक घटनाएं और कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को लेकर आम जनता की चिंता लगातार गहराती जा रही है। हाल के दिनों में दो दर्दनाक घटनाओं एक उत्तर प्रदेश के बरेली में चलती ट्रेन में धार्मिक व्यक्तित्व तौसीफ रज़ा अज़हरी पर हमला और उनकी संदिग्ध मौत, तथा दूसरी महाराष्ट्र के पुणे ज़िले के भोर क्षेत्र में एक मासूम बच्ची के साथ अत्याचार और हत्या,ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। इन घटनाओं के खिलाफ जलगांव ज़िला एकता संगठन द्वारा उठाई गई आवाज़ न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि यह जनभावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति भी है।

संगठन के पदाधिकारियों ने रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर वैशाली चव्हाण को ज्ञापन सौंपते हुए दोनों मामलों में तत्काल और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। यह कदम इस बात का संकेत है कि अब समाज मूकदर्शक बने रहने को तैयार नहीं, बल्कि न्याय के लिए संगठित और शांतिपूर्ण संघर्ष का मार्ग अपना रहा है।

यदि निष्पक्ष दृष्टिकोण से देखा जाए तो बरेली की घटना केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि रेल्वे सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर विफलता को उजागर करती है। जब एक धार्मिक नेता ही यात्रा के दौरान सुरक्षित नहीं, तो आम नागरिक की सुरक्षा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। वहीं भोर की घटना मानवता पर एक गहरा कलंक है, जिसने न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। एकता संगठन द्वारा रखी गई मांगें,जैसे एसआईटी या सीबीआई के माध्यम से उच्चस्तरीय जांच, आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करना और सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करना,पूरी तरह से उचित और समयानुकूल हैं। ये मांगें दरअसल न्याय के बुनियादी सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करती हैं।

संगठन के कोऑर्डिनेटर फारूक शेख की यह चेतावनी कि यदि त्वरित कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरकर जोरदार विरोध किया जाएगा, जनता के भीतर पनप रहे असंतोष का स्पष्ट संकेत है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय ठोस और पारदर्शी कदम उठाकर लोगों का भरोसा कायम करे। यह भी उल्लेखनीय है कि संगठन ने केवल विरोध तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि व्यवस्था में सुधार और न्याय की स्थापना को अपना लक्ष्य बताया है। यही सकारात्मक सोच एक सशक्त और सभ्य समाज के निर्माण की आधारशिला बन सकती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार और संबंधित एजेंसियां इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए त्वरित,पारदर्शी और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसे हृदयविदारक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। क्योंकि न्याय में देरी, दरअसल न्याय से इनकार के समान है।

प्रशासनिक तबादलों का 'फार्स' बंद करें: सीईओ जीतीन रहेमान पर आरोप; अतिरिक्त कार्य के नाम पर पुराने स्थान पर ही प्रतिनियुक्ति-डॉ.गणेश ढवले

बीड (दि. ०५) / प्रतिनिधि :

बीड जिला परिषद के क और ड संवर्ग के कर्मचारियों के प्रशासनिक तबादले ७ और ८ मई को समुपदेशन के माध्यम से किए जाने के आदेश मुख्य कार्यकारी अधिकारी Jitin Rehman द्वारा जारी किए गए हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के अनुभव के आधार पर इन तबादलों को मात्र औपचारिकता करार देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश ढवले ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

डॉ. ढवले के अनुसार, तबादले के बाद संबंधित कर्मचारियों को अन्य विभाग या तालुका में भेजने के बजाय अतिरिक्त कार्यभार के नाम पर फिर उसी विभाग में कार्यरत रखा जाता है। इससे तबादलों का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है और पूरा प्रक्रिया एक फार्स बनकर रह जाती है, ऐसा उन्होंने कहा।

इस संबंध में उन्होंने सीईओ Jitin Rehman से प्रत्यक्ष मुलाकात कर लिखित निवेदन भी सौंपा था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की है। साथ ही इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री, पालकमंत्री, ग्राम विकास मंत्री और विभागीय आयुक्त को भी निवेदन भेजते हुए

आंदोलन की चेतावनी दी है।

इस बीच जिला परिषद के शिक्षा, निर्माण और स्वास्थ्य विभागों में विभाग प्रमुखों द्वारा मनमानी किए जाने का आरोप भी सामने आया है। बताया गया है कि विभागीय आयुक्त की अनुमति लिए बिना प्रतिनियुक्ति के बजाय अतिरिक्त कार्यभार के नाम पर पसंदीदा कर्मचारियों को उसी स्थान पर बनाए रखा जा रहा है। वर्तमान में १०० से अधिक कर्मचारी इसी व्यवस्था के तहत महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत होने का दावा किया गया है।

डॉ. ढवले ने यह भी आरोप लगाया कि गणतंत्र दिवस के बाद जारी आदेश भी केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। २२ जनवरी को उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) प्रदीप काकड़े द्वारा अतिरिक्त कार्यभार कम कर कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थापन स्थान पर भेजने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इनका पालन नहीं किया गया।

ऐसे में एक बार फिर जिला प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी देते हुए उन्होंने मांग की है कि प्रशासनिक तबादलों का दिखावा बंद कर पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए।

जिलाधिकारी विवेक जानसन की उपस्थिति में बीड शहर के पेट्रोल पंप संचालक-मालिकों की बैठक; ईंधन आपूर्ति सुचारु रखने के निर्देश

बीड / प्रतिनिधि :

जिलाधिकारी Vivek Johnson की उपस्थिति में बीड शहर के पेट्रोल पंप संचालक और मालिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में ईंधन आपूर्ति को सुचारु और निर्बाध बनाए रखने पर विशेष चर्चा की गई।

बैठक में अधिकारियों ने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में ईंधन की कमी न होने दें और आम नागरिकों को नियमित रूप से पेट्रोल व डीजल उपलब्ध कराएं। साथ ही वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाहों से बचने की अपील भी की गई।

इस दौरान आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने, आवश्यक स्टॉक बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए, ताकि जिले में ईंधन वितरण पूरी तरह सुचारु रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

गेवराई में आशा मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स का उद्घाटन अमर सिंह पंडित के हाथों संपन्न

गेवराई / काजी अमान

गेवराई के तय्यबनगर रोड पर मोमिन यासेर द्वारा शुरू किए गए आशा मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स का उद्घाटन राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक -रींीळपसह झरपवळीं के हाथों, भाजपा नेता बाळराजे पवार, जामिया तय्यबुल उलूम के मोहतमीम मुफ्ती मोईनोद्दीन कासमी, जामा मस्जिद के इमाम मौलाना फैजान नदवी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में शनिवार, दिनांक २ मई २०२६ को प्रातः संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुहम्मद आवेज शरीफ, मोमिन यासेर, मुहम्मद हुसैन, अब्दुल रहीम ढोराज, मुहम्मद अझहर आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर शारदा मल्टीस्टेट के संस्थापक अध्यक्ष जयसिंह भाऊ पंडित, युवा नेता यशराज भैय्या पंडित, राष्ट्रवादी कांग्रेस के तालुकाध्यक्ष

भाऊसाहेब नाटकर, नगरसेवक तथा गटनेते शेख खाजाभाई, उपनगराध्यक्ष भगवानराव घुंबार्ड, भाजपा के गटनेते एडवोकेट राजेंद्र राक्षसभुवनकर, पूर्व नगराध्यक्ष महेश अण्णा दाभाडे, सुशील जवांजाळ, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एस.वाई. अंसारी, भवानी बैंक के उपाध्यक्ष हाजी अब्दुल हन्नान, दैनिक जय महाभारत के संपादक विजयकुमार वाव्हळ, पूर्व नगरसेवक सय्यद एजाज, राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के शहराध्यक्ष गुफरान इनामदार, शहर उपाध्यक्ष वसीम फारुकी, पूर्व नगरसेवक राहुल जिजा खंडागळे, बंडुसेठ मोटे, संजय गांधी निराधार योजना समिति के अध्यक्ष दादासाहेब घोडके, नगरसेवक सय्यद बदियोद्दीन, युवा नेता बाळासाहेब सानप, पूर्व नगरसेवक अरुण मस्के, पत्रकार अय्युब बागवान, आकेफ काजी, राष्ट्रवादी कांग्रेस के शहराध्यक्ष दिपक तात्या आतकरे, सभापती शेख शहदाद, नगरसेवक शाहरुख पठाण, पूर्व नगरसेवक जानमुहम्मद बागवान, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सय्यद शफी अत्तार, वरिष्ठ पत्रकार काजी अमान, ब्रह्मगांव के उपसरपंच सय्यद सद्दाम पटेल, इस्माईल अत्तार, पूर्व नगरसेवक मोमिन मोज्जम उर्फ मुन्नासेठ, गणेश रूकर, शेख एजाज, इमरान पठाण, समी जे.के. सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पान १ वरून

नए पैन कार्ड नियम २०२६...

जानकारी का आधार डेटा से मिलान भी अनिवार्य कर दिया गया है, और किसी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर आवेदन निरस्त किया जा सकता है।

वित्तीय लेन-देन के मामलों में भी पैन की अनिवार्यता को और स्पष्ट किया गया है। उच्च मूल्य के लेन-देन, जैसे संपत्ति खरीद, वाहन खरीद या बड़े होटल भुगतान में पैन कार्ड का उपयोग जरूरी रहेगा, जिससे वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पहले से जारी सभी पैन कार्ड वैध रहेंगे और नए नियम मुख्यतः नए आवेदन या अपडेट के मामलों में लागू होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इन बदलावों से पैन प्रणाली अधिक विश्वसनीय बनेगी और कर व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी।

अबु आसेम आजमी ने ईद-उल-अज़हा...

को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में उन्होंने प्रशासन को स्पष्ट निर्देश देने और कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की।

इस अवसर पर उन्होंने शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से ईद मनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करने की भी मांग की, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो और सभी समुदाय के लोग सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मना सकें।

अल्पसंख्यक संरक्षण के लिए संघर्ष समिति ...

आंदोलन की अगली दिशा की घोषणा की जाएगी। इस बैठक में मुजतबा खान सर, प्रो. इलियास इनामदार, प्रो. शेख अमर, एडवोकेट जेबा शेख, शेख मूसा सर, एड. मोमीन अखिल, मुशीर इनामदार, शेख अखिल अन्ना, शेख मैनुद्दीन, पत्रकार पठान अमरजान, सलीम खान, पाले खान, डॉ. मोहसिन शेख, शेख ऐहेतेशाम, सैयद नबीलउज्जमा, एड. जावेद मणियार, शामिर खान, आबेद कादरी, शेख खदीर, शेख नदीम, शेख जावेद सहित अनेक सामाजिक व राजनीतिक प्रतिनिधि और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

शादी के तीन महीने बाद...

हो चुकी हैं और यह उसका नौवां विवाह है। इस संबंध में उसके पास कुछ प्रमाण भी होने की बात सामने आई है। यह जानकारी मिलने के बावजूद योगेश शिंदे ने पत्नी को छोड़ने से इनकार कर दिया।

हालांकि इसके बाद भारती गुमास्ते अचानक रातोंरात घर छोड़कर फरार हो गई। इस घटना से आक्रोशित होकर योगेश शिंदे ने एजेंट गणेश आंभुरे, राधा आंभुरे और भारती गुमास्ते के खिलाफ चकलांबा पुलिस थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

हैदराबाद-चंडीगढ़ फ्लाइट में पावर बैंक में आग से मची अफरा-तफरी; सभी यात्री सुरक्षित निकाले गए

नई दिल्ली / रिपोर्ट :

हैदराबाद से चंडीगढ़ जा रही खपवळऋे की फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक यात्री के बैग में रखा पावर बैंक अचानक धुआं छोड़ने लगा और उसमें आग लग गई। यह घटना विमान के सुरक्षित लैंड होने के बाद सामने आई, जब यात्री उतरने की तैयारी में थे। अचानक केबिन में धुआं फैलने से यात्रियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि स्थिति को भांपते हुए क्रू मेंबर्स ने तुरंत फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर काबू पा लिया और आपातकालीन प्रक्रिया शुरू कर दी।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइड्स के जरिए विमान से बाहर निकाला गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। फ्लाइट में सवार सभी यात्री और क्रू सदस्य सुरक्षित बताए गए हैं, हालांकि कुछ लोगों को हल्की चोटें और धुएं के कारण परेशानी हुई। एयरलाइन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और घटना के तुरंत बाद सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

इस घटना के बाद विमान की तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है, वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि पावर बैंक जैसे लिथियम बैटरी उपकरणों के कारण ऐसी घटनाओं का खतरा बना रहता है, जिससे हवाई यात्रा के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com